खण्ड **1** संख्या **1** नवम्बर, 2014

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल समाचार

WWW.ASRB.ORG.IN

इस अंक में...

अध्यक्ष की कलम से	1
उपलब्धियां	2
कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस परीक्षा 2013)	2
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) – 2014	3
सीधी भर्ती	4
संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस)	4
महत्वपूर्ण समितियां/बैठकें	4
महत्वपूर्ण घटनाएं	5
दौरे/परिचर्चाएं	5
मान सम्मान/पुरस्कार	6
विविध क्रियाकलाप	7
वैयक्तिक समाचार	8

अध्यक्ष की कलम से

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (एएसआरबी) समाचार' का प्रथम संस्करण प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। इसमें प्रतिभा खोज के प्रयास में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की उल्लेखनीय पहलों व क्रियाकलापों को प्रस्तुत किया गया है। वास्तव में यह गर्व का विषय है कि एएसआरबी समाचार का प्रथम अंक माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष श्री राधा मोहन सिंह द्वारा 1 नवम्बर 2014 को नई दिल्ली में आयोजित एएसआरबी के 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर विमोचित किया जा रहा है। अब तक एएसआरबी अपने क्रियाकलापों और भावी योजनाओं का विवरण प्रत्येक वर्ष के अंत में प्रकाशित होने वाली वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से प्रतिवर्ष प्रस्तुत करता आ रहा था। पिछले कुछ वर्षों में कृषि में प्रतिभा खोज संबंधी क्रियाकलापों की संभावनाओं व इसके स्तर में पर्याप्त विस्तार हुआ है। अनुसंधान के तेजी से बदलते हुए परिदृश्य तथा राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर इसके प्रबंध में होने वाले बदलावों के कारण अब यह कार्य और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसलिए हम एएसआरबी में अपने सभी ग्राहकों तथा स्टेकहोल्डरों के साथ और अधिक सक्रिय तथा गतिशील विचारों के आदान–प्रदान की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं। इस प्रकार के नियमित वैचारिक आदान–प्रदान और विचारों को परस्पर बांटने के साथ–साथ फीडबैक से प्रतिभा खोज के प्रयासों को और अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकता है और इससे प्रणाली की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। एएसआरबी ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा तथा कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) (प्रारंभिक) के लिए कम्प्यूटर आधारित परीक्षाएं सम्पन्न करके कागज और कलम के स्थान पर कम्प्यूटर को अपनाने में पहले से ही पहल कर दी है। इससे परीक्षा प्रणाली की सटीकता, कुशलता, ईमानदारी, उद्देश्यपरकता और सकल गुणवत्ता में अधिक सुधार होगा। इस स्वचालीकरण से जहां एक ओर परीक्षा प्रणाली के नियंत्रण व निगरानी में सुधार हुआ है वहीं प्रत्याशियों से प्राप्त होने वाली फीडबैक की क्रियाविधि सबल हुई है और उनकी भागीदारी भी बढ़ी है। इससे हमें प्रभावी तथा समय पर उचित कार्रवाई करने के लिए अपने सभी स्टेकहोल्डरों के साथ पारस्परिक संचार को सबल बनाने में सहायता मिली है। आने वाले समय में हम कैरियर एडवांसमेंट स्कीम मूल्यांकनों व सीधी भर्ती जैसी अनेक प्रक्रियाओं में स्वचालीकरण को अपनाकर इसे और अधिक उद्देश्यपरक बना सकेंगे। प्रतिभाखोज प्रणाली में और सुधार के लिए हमें आपके निरंतर फीडबैक व सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी। आप ई–मेल के माध्यम से अपने विचार हम तक पहुंचा सकते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके मूल्यवान सुझावों पर हम तत्काल ध्यान देंगे।

गुरबचन सिंह

(गुरबचन सिंह)
अध्यक्ष

उपलब्धियां

- 35 अनुसंधान प्रबंध पद (आरएमपी) तथा 100 गैर–आरएमपी पद सीधी भर्ती के माध्यम से भरे गए।
- 362 वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस)–2013 परीक्षा के माध्यम से 48 विषय क्षेत्रों में भर्ती किया गया।

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री व भा.कृ.अ.प. के अध्यक्ष श्री राधा मोहन सिंह को वार्षिक रिपोर्ट 2013–14 प्रस्तुत करते हुए

- 47 वैज्ञानिकों को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के ग्रेड में पदोन्नत किया गया।
- 2712 प्रत्याशियों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) – 2014(1) में अर्हकता प्राप्त की।
- एएसआरबी ने कम्प्यूटर आधारित परीक्षाएं सम्पन्न करने के लिए भा.कृ.अ.प. के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में 23 परीक्षा केन्द्रों में 2020 कम्प्यूटर नोडों के साथ ऑन–लाइन परीक्षा प्रणाली को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। सभी केन्द्रों पर अत्याधुनिक हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर युक्तियां उपलब्ध हैं। इस प्रणाली में आवेदनों को ऑन–लाइन प्रस्तुत करने के साथ–साथ परीक्षा शुल्क की अदायगी, परीक्षा केन्द्रों का आवंटन, प्रवेश–पत्रों को तैयार करने, परीक्षा घोषित करने आदि जैसे सभी कार्य ऑन–लाइन किए जा रहे हैं। प्रश्न बैंक का उपयोग करके प्रश्न–पत्र तैयार करने और प्रश्न बैंक सृजित करने के लिए एक सॉफ्टवेयर मॉड्यूल भी विकसित किया गया है। कुल 56 विषयों में प्रश्नों के एक वृहत भंडार को डिजिटलीकृत किया गया है। पूरी परीक्षा प्रणाली की लेखापरीक्षा तृतीय पक्ष लेखा परीक्षकों द्वारा की जाती है, ताकि परीक्षा की गुणवत्ता व सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। परीक्षा केन्द्रों के तकनीकी स्टाफ के साथ–साथ नोडल अधिकारियों को ऑन–लाइन परीक्षा की प्रक्रिया में उचित रूप से प्रशिक्षित किया गया है। पंजीकरण प्रक्रिया, प्रवेश पत्रों को तैयार करने व उन्हें जारी करने, परीक्षाएं सम्पन्न करने और परिणाम घोषित करने में स्वचालीकरण से पर्याप्त मात्रा में जनशक्ति की बचत हुई है, समय की बचत होने के साथ–साथ लागत में भी कमी आई है। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2014 (i) के लिए पूर्णतः ऑन–लाइन परीक्षा पहली बार 26 मार्च 2014 से 4 अप्रैल 2014 तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई जिसके लिए ऑन–लाइन पंजीकरण की प्रक्रिया फरवरी 2014 में आरंभ की गई थी।

एएसआरबी के अध्यक्ष राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में ऑन–लाइन परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए

एनईटी–2014 (i) के लिए प्रथम ऑन–लाइन परीक्षा का उद्घाटन

कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) परीक्षा 2013

कृषि अनुसंधान सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2013 का आयोजन 48 विषय क्षेत्रों में दिनांक 29.12.2013 को देश के 33 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित किया गया था जिसमें 12841 उम्मीदवार उपस्थित हुए। इनमें से केवल 3638 उम्मीदवार ही मुख्य परीक्षा हेतु सफलता प्राप्त कर सके, परन्तु 3239 उम्मीदवार ही मुख्य परीक्षा में उपस्थित हुए जो दिनांक 9 मार्च, 2014 को देश के 12 केन्द्रों में आयोजित की गई। 48 विषय क्षेत्रों के 506 रिक्त पदों के लिए 1104 उम्मीदवारों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। अंततः मंडल ने नियुक्ति के लिए 362 प्रत्याशियों को ही अनुशंसित किया।

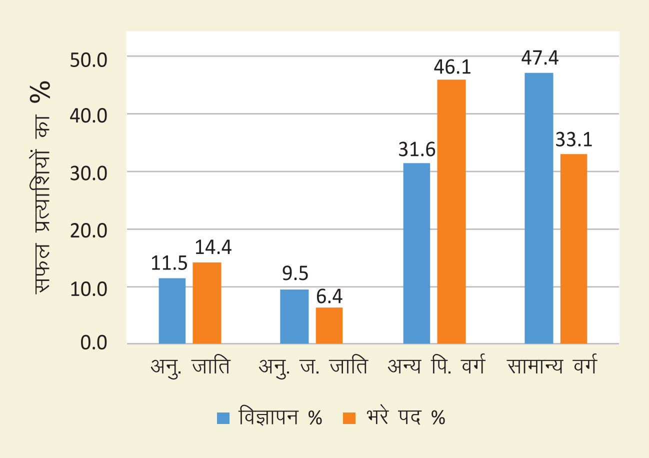

एआरएस 2013 में सफल प्रत्याशियों का श्रेणीवार वितरण

- कुल 362 अनुशंसित प्रत्याशियों में से 78 प्रतिशत राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व मानद विश्वविद्यालयों से थे और शेष 15 प्रतिशत राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से थे, जबकि केवल 7 प्रतिशत सामान्य विश्वविद्यालयों से थे।

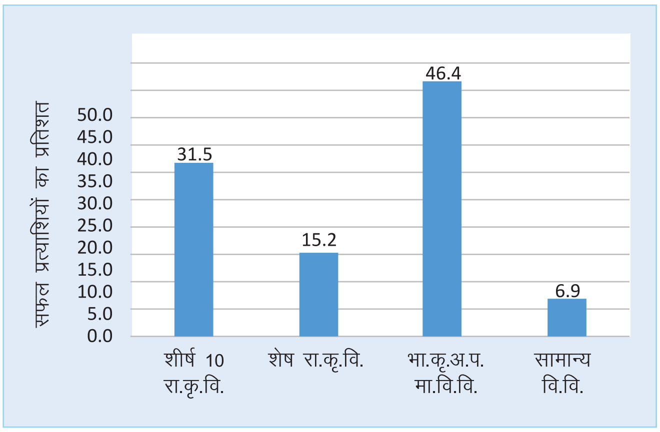

एआरएस 2013 में संगठनवार निष्पादन

शीर्ष 10 राज्य कृषि विश्वविद्यालय: तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरू, गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अंगारू, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, केरल कृषि विश्वविद्यालय, पीडीकेवी, यूएचएस, वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय।

भा.कृ.अ.प. के मानद विश्वविद्यालय: आईएआरआई, सीआईएफई, आईवीआरआई, एनडीआरआई।

- 9 विषय क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें साक्षात्कार के लिए उपलब्ध उम्मीदवारों की संख्या रिक्त पदों की संख्या से भी कम थी।
- ऐसे 23 विषय क्षेत्र हैं जिनमें रिक्त पद तथा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित उम्मीदवारों का अनुपात 5 से भी कम है।
- लगभग 14 विषय क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा का अनुपात 1 : 5 है और वे विषय क्षेत्र हैं – कृषि जैवप्रौद्योगिकी, कृषि कीट विज्ञान, कृषि सूक्ष्मजैविकी, पादप रोगविज्ञान, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पशु जैवरसायनिकी, पशु जैवप्रौद्योगिकी, पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन, पशु पोषण, पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान, पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी, पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान, पशु चिकित्सा लोक स्वास्थ्य एवं कृषि वानिकी।
- किसी भी विषय क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का अनुपात 1 : 5 से अधिक नहीं था।
- राज्य–वार वितरण अनियमित रहा जिसमें से 84 प्रतिशत सफल प्रत्याशी 11 राज्यों (कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और मणिपुर) के थे। पंजाब, जम्मू और काश्मीर, गुजरात, सिक्किम तथा अंडमान व निकोबार द्वीप समूह जैसे राज्यों का नाम सफल प्रत्याशियों की सूची में बहुत कम था।

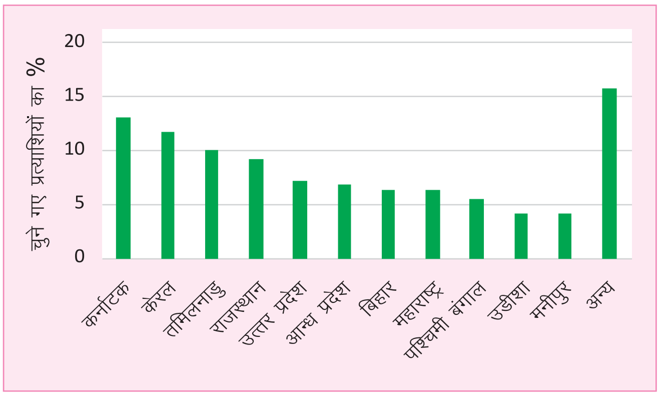

एआरएस 2013 में सफल प्रत्याशियों का राज्यवार विवरण

- चुने गये 362 प्रत्याशियों में से 113 महिला प्रत्याशी थे।

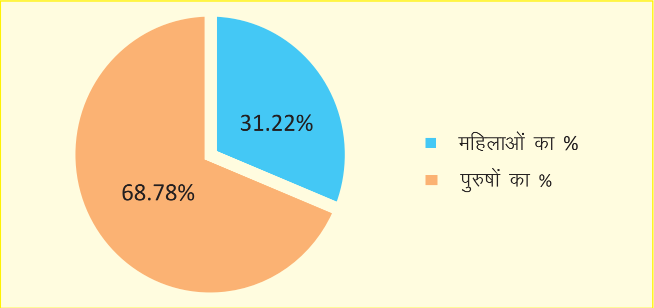

एआरएस–2013 में सफल प्रत्याशियों का लिंगवार वितरण

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) - 2014

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा देश के विभिन्न भागों में स्थापित 23 ऑनलाइन परीक्षा केन्द्रों में दिनांक 26.03.2014 से 04.04.2014 के दौरान 55 विषय क्षेत्रों में पहली बार ऑनलाइन राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा – 2014(1) का सफल आयोजन किया। इस प्रणाली में पंजीकरण, आवेदन प्रस्तुत करना, शुल्क भुगतान, परीक्षा केन्द्रों का आंवटन, प्रवेश पत्रों की तैयारी, परिणामों की घोषणा आदि कार्य ऑनलाइन किए गए। परीक्षा हेतु 18245 उम्मीदवारों ने पंजीकरण करवाया परन्तु 14178 (77.7%) उम्मीदवार ही परीक्षा हेतु उपस्थित हुए, जिनमें से 2712 (19.13%)उम्मीदवार ही राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा का प्रमाण पत्र प्राप्त कर सके।

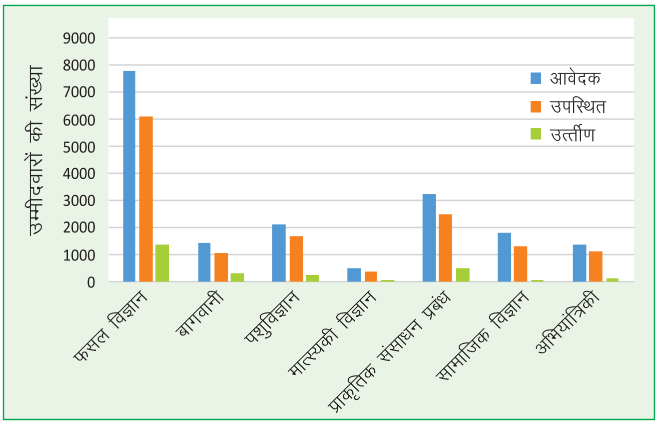

एनईटी 2014 (I) के प्रमुख विषय क्षेत्र समूहों का विवरण

परीक्षा परिणामों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक सफल उम्मीदवार कुक्कट पालन विज्ञान क्षेत्र (75%) से हैं और इसके बाद का स्थान क्रमशः पुष्पोत्पादन एवं भूदृश्यनिर्माण (55-6%), मत्स्य आनुवंषिकी एवं प्रजनन (53.3%) विषय क्षेत्रों के उम्मीदवार हैं। यद्यपि पशु जनन एवं मादा रोग विज्ञान तथा गृह

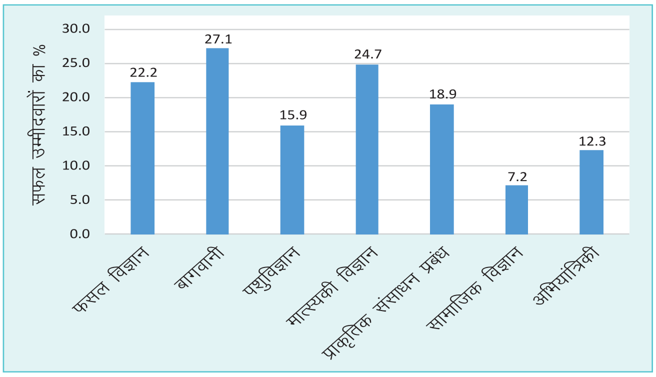

एनईटी 2014 (I) में प्रमुख विषय क्षेत्रवार सफल उम्मीदवार

विज्ञान विषय क्षेत्रों से क्रमशः 94 तथा 133 उम्मीदवार परीक्षा हेतु उपस्थित हुए परन्तु कोई भी उम्मीदवार सफलता प्राप्त न कर सका। लगभग 19 से अधिक विषयों क्षेत्रों में उम्मीदवारों की सफलता दर 10% से कम पाई गई। परीक्षा हेतु उपस्थित कुल उम्मीदवारों में से अधिकतम उम्मीदवारी (2325) कृषि जैवप्रौद्योगिकी विषय क्षेत्र से थी जिसमें कुल प्रत्याशियों के 16.4 प्रतिशत उम्मीदवार थे, जबकि 0.4% की न्यूनतम उम्मीदवारी कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन विषय क्षेत्र से रही।

सम्मिलित एनईटी–2014 (II) तथा एआरएस–2014 (प्रारंभिक) परीक्षा 22–28 सितम्बर 2014 को देशभर के 21 केन्द्रों पर ऑन–लाइन मोड में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। भयंकर बाढ़ के कारण श्रीनगर और जम्मू केन्द्रों की परीक्षा को स्थगित करना पड़ा और यह परीक्षा 27–31 अक्तूबर 2014 को आयोजित की जायेगी।

सीधी भर्ती

रिपोर्ट अवधि के दौरान अनुसंधान प्रबंधन पद सहित कुल 193 वैज्ञानिक पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। इन पदों हेतु कुल 1921 आवेदन प्राप्त हुए जिनकी स्क्रीनिंग समिति द्वारा संवीक्षा करने के पश्चात् 768 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया एवं 551 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए।

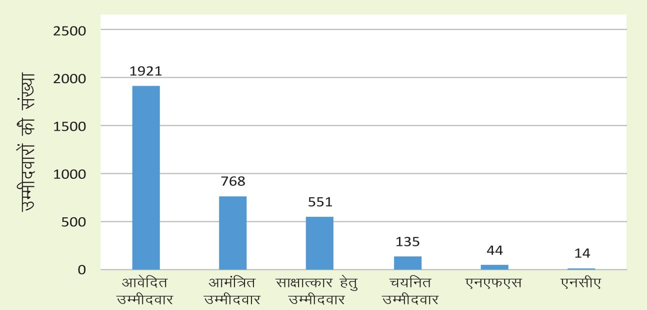

सीधे चयन के माध्यम से भर्ती का विवरण

एनएफएस – उपयुक्त नहीं पाया गया
एनसीए – कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं

केवल 135 पद ही भरे जा सके। वरिष्ठ वैज्ञानिकों के 14 मामलों में साक्षात्कार के लिए कोई भी उम्मीदवार उपलब्ध नहीं था। 44 मामलों में जिनमें निदेशक, संभागाध्यक्ष, वरिष्ठ वैज्ञानिक और कार्यक्रम समन्वयक के पद भी शामिल हैं, कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं पाया गया।

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन

अवधि के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक पद से प्रधान वैज्ञानिक पद पर पदोन्नति हेतु 17 विषय क्षेत्रों में कुल 47 उम्मीदवारों का मूल्यांकन करके उनका साक्षात्कार लिया गया। इसी प्रकार, 3 विषय क्षेत्रों में 3 मूल्यांकन/पुनर्मूल्यांकन मामलों को पुराने कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत विचारार्थ लिया गया। यह स्कीम दिसम्बर 31, 2008 तक लागू थी।

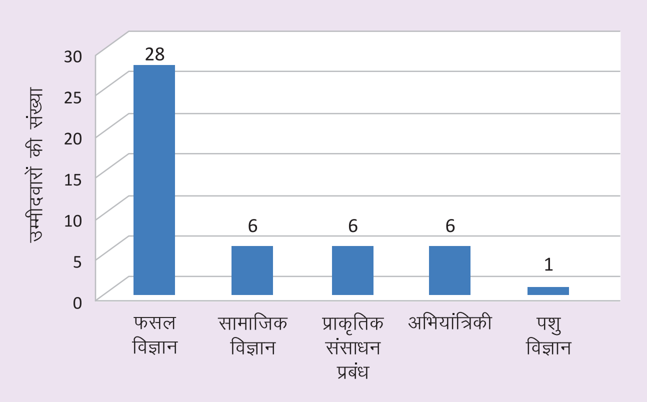

सीएएस के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया सम्पन्न किए गए प्रस्तावों का प्रमुख विषय क्षेत्रवार विवरण

महत्वपूर्ण समितियां/बैठकें

सीधी भर्ती के लिए स्कोर कार्ड में संशोधन हेतु समिति

मंडल ने एएसआरबी के सदस्य डा. एस. के. बन्दोपाध्याय को संयोजक के रूप में नियुक्त करते हुए बाहरी विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया, ताकि भा.कृ.अ.प. के अंतर्गत विभिन्न वैज्ञानिक पदों की सीधी भर्ती के लिए वर्तमान स्कोर कार्ड की समीक्षा की जा सके। समिति की 6 बैठकें हो चुकी हैं और स्कोर कार्ड के संशोधित मसौदे को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसकी अंतिम जांच की जा रही है।

भा.कृ.अ.प. की अलाभकारी इकाइयों/केन्द्रों/स्टेशनों की समीक्षा के लिए समिति

विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर भा.कृ.अ.प. के अलाभकारी इकाइयों/केन्द्रों/स्टेशनों की समीक्षा के लिए मंडल के सदस्य डॉ. एस.के. बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में अप्रैल 15, 2014 को एक बैठक आयोजित की गई।

एएसआरबी मंडल की बैठकें

परीक्षाओं, भर्तियों व मूल्यांकन आदि से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने के लिए समय–समय पर एएसआरबी की 6 मंडल बैठकें आयोजित की गईं और वांछित कार्यों के लिए कार्यक्रम तैयार किए गए।

एएसआरबी के मंडल की बैठक

महत्वपूर्ण घटनाएं

- ### हिन्दी प्रतियोगिताएं

  मंडल ने दिनांक 28 मार्च, 2014 और 6 जून, 2014 को हिन्दी निबंध लेखन और हिन्दी पत्र लेखन नामक 2 हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में एएसआरबी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। दिनांक 14–22 सितम्बर 2014 को आयोजित हिन्दी सप्ताह के दौरान इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

श्रीमती प्रियंवदा, निदेशक (राजभाषा) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, डॉ. सुरेश पाल को हिन्दी निबंध लेखन का प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए

- ### स्वच्छ भारत अभियान

  कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने स्वच्छ भारत अभियान की सफलता के लिए सही दिशा में कार्य आरंभ किया है। मंडल के अध्यक्ष डॉ. गुरबचन सिंह ने मंडल के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों व स्टाफ के साथ कार्यालय परिसर और कृषि अनुसंधान भवन–1 के आस–पास के क्षेत्र में 2 अक्तूबर 2014 को विशेष सफाई अभियान आरंभ किया।

एएसआरबी के अध्यक्ष, सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए

भ्रमण/सम्पर्क

- डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, एएसआरबी ने 26 फरवरी 2014 को एमएएफएसयू, नागपुर के छठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया।

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, एएसआरबी, एमएएफएसयू, नागपुर के छठवें दीक्षांत समारोह के दौरान उम्मीदवारों को उपाधियां प्रदान करते हुए

- अध्यक्ष, एएसआरबी ने एआरएस मुख्य परीक्षा, 2013 के पटना स्थित केन्द्र का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा 8 मार्च 2014 को राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर में मुख्य अतिथि के रूप में किसान मेला 2014 का उद्घाटन किया।

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, एएसआरबी दीप प्रज्ज्वलित करके राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर, पूसा, बिहार में किसान मेला 2014 का उद्घाटन करते हुए

- अध्यक्ष महोदय ने 9 अगस्त 2014 को नई दिल्ली में आदिवासी क्षेत्रों में हस्तक्षेप व दक्षता बढ़ाने पर कृषि विज्ञान केन्द्र संवाद कार्यशाला में एक व्याख्यान दिया।

आदिवासी क्षेत्रों में हस्तक्षेपों तथा दक्षता को बढ़ाने पर कृषि विज्ञान केन्द्र संवाद कार्यशाला के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए

- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने 29 जुलाई 2014 को आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

माननीय प्रधानमंत्री, भा.कृ.अ.प., एएसआरबी, कृषि एवं सहकारिता विभाग एवं पशुपालन, डेयरी और मतस्य पालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए

- डॉ. वी.एन. शारदा ने 28–29 मार्च 2014 के दौरान सीआईएफई, मुम्बई में ऑन–लाइन नेट–2014 (I) परीक्षा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा मानद विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों व छात्रों के साथ चर्चा की।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, एएसआरबी सीआईएफई मुम्बई के संकाय सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए

- डॉ. एस.के. बंदोपाध्याय ने 14 मार्च 2014 को डब्ल्यूबीयूए और एफएस, नादिया, पश्चिम बंगाल में 'भारत में डेरी प्रसंस्करण में नव प्रवर्तन – आपरेशन फ्लड के पश्चात का परिदृश्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रारंभिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा सीआईएफआरआई, बैरकपुर व सीआईबीए के काकद्वीप स्थित अनुसंधान केन्द्र का दौरा किया तथा संस्थानों/केन्द्रों के वैज्ञानिकों के साथ 15–16 मार्च 2014 को चर्चा की।

डॉ. एस.के. बंदोपाध्याय, सदस्य, एएसआरबी सीआईबीए, काकद्वीप के क्षेत्रीय केन्द्र के संकाय सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए

मान सम्मान/पुरस्कार

- डॉ. गुरबचन सिंह को 17 फरवरी 2014 को मोहाली (पंजाब) में पंजाब सरकार द्वारा आयोजित प्रगतशील पंजाब कृषि समिट – 2014 में पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा एवार्ड ऑफ हॉनर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल एएसआरबी के अध्यक्ष डॉ. गुरबचन सिंह को एवार्ड ऑफ हॉनर पुरस्कार से सम्मानित करते हुए

- बायोवेद कृषि एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद ने 22 फरवरी 2014 को लखनऊ में आयोजित 16वीं भारतीय कृषि वैज्ञानिकों एवं किसानों की कांग्रेस इंटीग्रल विश्वविद्यालय में डॉ. गुरबचन सिंह को बायोवेद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

अध्यक्ष, एएसआरबी बायोविद रत्न पुरस्कार प्राप्त करते हुए

- इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फोरेस्ट्री रिसर्च आर्गेनाइजेशन (आईयूएफआरओ) और इंडियन सोसायटी ऑफ ट्री साइंटिस्ट सोलन ने 13 मार्च 2014 को चंडीगढ़ में 'जलवायु परिवर्तन से निपटने और सामाजिक सुरक्षा के लिए टिकाऊ संसाधन प्रबंध' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. गुरबचन सिंह को एवार्ड ऑफ हॉनर पुरस्कार से सम्मानित किया।

डॉ. पी.के. खोसला कुलपति शूलिनी विश्वविद्यालय, हि.प्र. अध्यक्ष, एएसआरबी को एवार्ड ऑफ ऑनर पुरस्कार प्रदान करते हुए

- डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को 1 जून 2013 को राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर 'भारत की बाल पोषण सुरक्षा, दूध के संदर्भ में भावी दिशा' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, एएसआरबी विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के संकाय सदस्यों को सम्बोधित करते हुए

- डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को 1 जनवरी 2014 से इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा अनुभागीय समिति–I (सिविल अभियांत्रिकी) के सदस्य के रूप में चुना गया।
- डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को नई दिल्ली में 10–15 फरवरी 2015 को 'खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण आजीविकाओं के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंध' पर आयोजित हाने वाली अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की राष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।
- डॉ एस. के बंदोपाध्याय, सदस्य, एएसआरवी को राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान ने 28 जनवरी, 2014 को उपयोगी विज्ञान वनाम असितत्व के औचित्य के लिए विज्ञानः परफोरमेंस मूल्यांकन के लिए एक मुख्य मुद्दा विषय के लिए गोरवमयी डॉ के.के. अया मेमोरियल ओरेसन एवार्ड से सम्मानित किया गया।

विविध क्रियाकलाप

- प्रशासनिक अधिकारियों व वित्त एवं लेखा अधिकारियों के 28 पदों को भरने की अधिसूचना जारी की जा चुकी है। इसके लिए अखिल भारतीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 23 नवम्बर 2014 को निर्धारित की गई है।
- सहायक निदेशक, राजभाषा (हिन्दी) के लगभग 10 पदों को भरने की अधिसूचना जारी की जा चुकी है और इसके लिए पूरे भारत में प्रतियोगी परीक्षा 22 नवम्बर 2014 को निर्धारित की गई है।
- परिषद मुख्यालय तथा इसके संस्थानों में सहायकों के 270 पदों को भरने के लिए खुली अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा के लिए अधिसूचना 30 अगस्त 2014 को जारी की जा चुकी है।
- सीएएस के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक की श्रेणी में वैज्ञानिकों के मूल्यांकन के लिए लगभग 200 आवेदन प्राप्त हुए हैं और इन पर नवम्बर/दिसम्बर 2014 में कार्रवाई की जानी है।
- अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठकें क्रमशः 19.02.2014, 26. 03.2014 और 29.05.2014 को आयोजित की गईं ताकि भारत

पूसा परिसर, डीपीएस मार्ग, नई दिल्ली में एएसआरबी के नए कार्यालय भवन का प्रस्तावित लेआउट प्लान

सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम में किए गए प्रावधानों का अनुपालन किया जा सके। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के योगदानों को मान्यता प्रदान करते हुए राजभाषा विभाग ने डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, एएसआरबी को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली का अध्यक्ष नामित करने का प्रस्ताव किया है।

- एएसआरबी को सशक्त करने के लिए 130.00 करोड़ रुपये की लागत वाली 12वीं पंचवर्षीय योजना स्कीम, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. की अध्यक्षता में आयोजित मुख्यालय की ईएफसी बैठक में परिसर के स्तर पर स्वीकृत की गई जिसमें 72 करोड़ रुपये नये कार्यालय भवन के निर्माण के लिए स्वीकृत किए गए हैं।

वैयक्तिक समाचार

पदभार ग्रहण

- श्री गुरनाथ गौड़ा हरकांगी, उप सचिव, एनएआईपी, भा.कृ.अ.प. ने परीक्षा नियंत्रक –I के रूप में एएसआरबी में पदभार ग्रहण किया।

पदोन्नति

- डॉ. ए.पी. रुहिल को 03.12.2012 से सीएएस के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के रूप में पदोन्नत किया गया।

स्थानांतरण

- श्री मनोज कुमार जैन,परीक्षा नियंत्रक को भा.कृ.अ.प. के बागवानी विज्ञान प्रभाग में उप सचिव के पद के रूप में स्थानांतरित किया गया।

मानव संसाधन विकास

- डॉ. सुरेश पाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी और श्री उमेश गहलौत, अनुभाग अधिकारी ने सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली में 6 से 8 जनवरी 2014 तक सार्वजनिक शासन में नैतिकता एवं मूल्यों पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. सुरेश पाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने भारतीय जन प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली में तकनीकी कार्मिकों के लिए क्षमता निर्माण पर 10 से 21 फरवरी 2014 तक आयोजित 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. ए.पी. रूहिल, प्रधान वैज्ञानिक, एएसआरबी ने एनएआईपी की उप परियोजना 'अधिगम एवं क्षमता निर्माण' के अंतर्गत 3 फरवरी 2014 से 7 मार्च 2014 तक कॉर्नल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयार्क में 'ऑन लाइन शिक्षा एवं परीक्षा प्रणाली' के क्षेत्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 12वीं योजना स्कीम के अंतर्गत एएसआरबी के सबलीकरण के एक अंग के रूप में मंडल ने संयुक्त राज्य अमेरिका/विदेश में उन्नत संस्थानों के साथ सम्पर्क स्थापित करने के लिए कदम उठाने आरंभ कर दिए हैं जिसके अंतर्गत मंडल के वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान की भागीदारी के माध्यम से प्रतिभाखोज प्रणाली को आगे बढ़ाने, प्रोन्नत करने व सटीक बनाने के लिए मानव संसाधन विकास की कार्यनीति के अंग के रूप में विदेशों का दौरा कर सकते हैं और वहां के संबंधित कार्मिकों के साथ चर्चा कर सकते हैं।

संपादन मंडल

मुख्य संरक्षक:

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

संरक्षक:

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
डॉ. एस.के. बंदोपाध्याय, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

संपादन दल:

श्री एन.एस. रंधावा
डॉ. ए.पी. रूहिल
श्री राजीव मंगोत्रा
श्री जी.जी. हरकांगी
श्री पी.के. जैन

संपादक:

डॉ. सुरेश पाल
श्री पी.आर. राव

सहायक:

श्री चितेश कौशिक

फोटोग्राफ:

प्रभारी, अनुसंधान एवं विश्लेषण इकाई, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन–I, पूसा परिसर, नई दिल्ली–110012

प्रकाशक:

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
दूरभाष: 011–25846730 फैक्स: 011–25846185
ई–मेल: chairman@asrb.org.in
secretaryasrb@gmail.com

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन–1, पूसा, नई दिल्ली–110012, दूरभाष संख्या 011–25848172, 25846730 द्वारा प्रकाशित। मेसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110028 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मुद्रित।

***डिजाइन एवं प्रोडक्शन:* डॉ. वी.के. भारती और पुनीत भसीन**